प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9वीं बार लाल किला की प्राचीर से तिरंगा झंडा फहरानें के लिए तैयार हैं। इस बार स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने का जश्न अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री का स्वतंत्रता दिवस भाषण बेहद खास होने वाला है।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 243 दिनांक:15-08-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M




सोमवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए पूरे देश में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक सुरक्षा चाकचौबंद रहेगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में कोई बाधा न आए इसके लिए राज्यों में पुलिस तंत्र को सतर्क कर दिया गया है।

## देश की बेटियों से बहुत उम्मीदें : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का राष्ट्र के नाम संदेश!

-स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के नाम अपना पहला संदेश दिया।

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत इस बार आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा है। इस मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजधानी दिल्ली से पूरे देश को संबोधित किया। राष्ट्रपति के तौर पर द्रौपदी मुर्मु का देश के नाम यह पहला संबोधन है। उन्होंने कहा कि छिहत्तरवें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई देती हूं।

राष्ट्रपति के संबोधन की महत्वपूर्ण बातें

14 अगस्त के दिन को विभाजन-विभीषिका स्मृति-दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस स्मृति दिवस को मनाने का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, मानव सशक्तीकरण और एकता को बढ़ावा देना है।

15 अगस्त 1947 के दिन हमने औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों को काट दिया था। उस शुभ-दिवस की वर्षगांठ मनाते हुए हम लोग सभी स्वाधीनता सेनानियों को सादर नमन करते हैं। उन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया ताकि हम सब एक स्वाधीन भारत में सांस ले सकें।

अधिकांश लोकतान्त्रिक देशों में वोट देने का अधिकार प्राप्त करने के लिए महिलाओं को लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था। लेकिन हमारे गणतंत्र की शुरुआत से ही भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव' मार्च 2021 में दांडी यात्रा की स्मृति को फिर से जीवंत रूप देकर शुरू किया गया। उस युगांतरकारी आंदोलन ने हमारे संघर्ष को विश्व-पटल पर स्थापित किया। उसे सम्मान देकर हमारे इस महोत्सव की शुरुआत की गई। यह महोत्सव भारत की जनता को समर्पित है।

पिछले वर्ष से हर 15 नवंबर को 'जन-जातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का सरकार का निर्णय स्वागत-योग्य है। हमारे जन-जातीय महानायक केवल स्थानीय या क्षेत्रीय प्रतीक नहीं हैं बल्कि वे पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

हमने देश में ही निर्मित वैक्सीन के साथ मानव इतिहास का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया। पिछले महीने हमने दो सौ करोड़ वैक्सीन कवरेज का आंकड़ा पार कर लिया है। इस महामारी का सामना करने में हमारी उपलब्धियां विश्व के अनेक विकसित देशों से अधिक रही हैं।

हमारा संकल्प है कि वर्ष 2047 तक हम अपने स्वाधीनता सेनानियों के सपनों को पूरी तरह साकार कर लेंगे।

जब दुनिया कोरोना महामारी के गंभीर संकट के आर्थिक परिणामों से जूझ रही थी तब भारत ने स्वयं को संभाला और अब पुनः तीव्र गति से आगे बढ़ने लगा है। इस समय भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही प्रमुख अर्थ-व्यवस्थाओं में से एक है।

भारत में आज संवेदनशीलता व करुणा के जीवन-मूल्यों को प्रमुखता दी जा रही है। इन जीवन-मूल्यों का मुख्य उद्देश्य हमारे वंचित, जरूरतमंद तथा समाज के हाशिये पर रहने वाले लोगों के कल्याण हेतु कार्य करना है।

देश के प्रत्येक नागरिक से मेरा अनुरोध है कि वे अपने मूल कर्तव्यों के बारे में जानें, उनका पालन करें, जिससे हमारा राष्ट्र नई ऊंचाइयों को छू सके।

आज देश में स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थ-व्यवस्था तथा इनके साथ जुड़े अन्य क्षेत्रों में जो अच्छे बदलाव दिखाई दे रहे हैं उनके मूल में सुशासन पर विशेष बल दिए जाने की प्रमुख भूमिका है।

महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी। आज हमारी पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या चौदह लाख से कहीं अधिक है।

हमारे देश की बहुत सी उम्मीदें हमारी बेटियों पर टिकी हुई हैं। समुचित अवसर मिलने पर वे शानदार सफलता हासिल कर सकती हैं। हमारी बेटियां फाईटर-पायलेट से लेकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक होने तक हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं।

आज जब हमारे पर्यावरण के सम्मुख नई-नई चुनौतियां आ रही हैं तब हमें भारत की सुंदरता से जुड़ी हर चीज का दृढ़तापूर्वक संरक्षण करना चाहिए। जल, मिट्टी और जैविक विविधता का संरक्षण हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है।

द्रौपदी मुर्मू पिछले महीने 25 जुलाई को भारत की 15वीं राष्ट्रपति बनी थीं। आपको बता दें कि देश सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने वाली मुर्मू सबसे कम उम्र की महिला हैं और आदिवासी समाज से आने वाली भी वह पहली शख्स हैं। इसके अलावा द्रौपदी मुर्मू पहली ऐसी राष्ट्रपति हैं जिनका जन्म देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद हुआ था।

## दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक सुरक्षा चाकचौबंद, पंजाब और यूपी आतंकी मॉडयूल का भंडाफोड़

नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस समारोह को निर्विघ्न धूमधाम से मनाने के लिए पूरे देश में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक सुरक्षा चाकचौबंद रहेगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में कोई बाधा न आए इसके लिए राज्यों में पुलिस तंत्र को सतर्क कर दिया गया है। दिल्ली में जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे उसकी सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से 10,000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया है।

एक अधिकारी ने कहा कि देश की वित्तीय राजधानी मुंबई की सड़कों पर ड्रोन रोधी प्रणालियों की तैनाती की गई है। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यही नहीं अधिकारियों को सक्रिय रहने को कहा गया है। सुरक्षा लिहाज से ऑपरेशन ऑल आउट चलाया गया जिसमें होटल, वाहनों और रोड बैरिकेडिंग की जांच शामिल है। हिस्ट्रीशीटर और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कश्मीर में मुख्य समारोह शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में होगा। इसकी अध्यक्षता उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे। ड्रोन, स्नाइपर और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को निगरानी के लिए तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर में वाहनों की सघन जांच हो रही है। कई जगहों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भारी संख्या में तैनात किया गया है ताकि आतंकवादियों द्वारा समारोह को बाधित करने की किसी भी कोशिश को विफल किया जा सके।

श्रीनगर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ऊंची इमारतों पर शार्प शूटर तैनात किए गए हैं। श्रीनगर शहर के प्रमुख बाजारों में उपद्रवियों, अपराधियों और अराजक तत्वों की तलाश में हवाई निगरानी की जा रही है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों उल्फा-आई और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन) द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह का बहिष्कार करने और पूर्वोत्तर के पांच राज्यों में बंद के आह्वान के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

अगरतला में अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समारोह के दौरान शांति सुनिश्चित करने के लिए 856 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं असम में परेड मैदानों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। असम में मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह गुवाहाटी के खानापारा में पशु चिकित्सा कॉलेज के खेल के मैदान में आयोजित किया जाएगा।

पंजाब और उत्तर प्रदेश (यूपी) में पुलिस बलों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आतंकवादी समूहों से जुड़े संदिग्धों की कुछ प्रमुख गिरफ्तारियां भी की हैं। यूपी में पुलिस ने एक 19 वर्षीय शख्स को कथित तौर पर आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद के साथ संबंध रखने और सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आकाओं के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस ने रविवार को दावा किया कि उसने पाकिस्तान आईएसआई समर्थित आतंकी मॉडयूल का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया।

## 15 अगस्त से पहले दो 9 एमएम की पिस्टल, 40 जिंदा कारतूस सहित 4 आतंकी गिरफ्तार

-आईएसआई कनेक्शन सामने आया

चंडीगढ़ (ईएमएस)। आजादी की 75वीं वर्षगांठ का उत्सव देश मना रहा है ऐसे में पंजाब और दिल्ली पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में 15 अगस्त से पहले चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे घातक हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें दो 9 एमएम की पिस्टल, 40 जिंदा कारतूस और 3 हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये आतंकी 15 अगस्त से पहले बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। हालांकि पुलिस ने सुरक्षा कारणों से गिरफ्तार किए आतंकियों के बारे में यह जानकारी नहीं दी है कि उन्हें राज्य के किस हिस्से से गिरफ्तार किया गया है। पर पुलिस का दावा है कि उसने एक बड़े मॉडयूल का पर्दाफाश किया है।

सूत्रों का कहना है कि चारों आतंकियों से पूछताछ के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इनके तार पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि चारों के तार कनाडा और आस्ट्रेलिया में बैठे आतंकी संगठनों के सदस्यों से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी पहले गिरफ्तार किए गए गैंगस्टरों से मिले इनपुट के आधार पर की गई है। पहले गिरफ्तार किए गए गैंगस्टरों ने बताया था कि ये चारों आतंकी पंजाब में माहौल को खराब करने की साजिशें रच रहे थे। चारों आतंकी विदेश में बैठे आतंकी अर्श डल्ला के संपर्क थे, जो देश में टारगेट किलिंग का भी आरोपी है।

## देश के शीर्ष निवेशक राकेश झुनझुनवाला नहीं रहे

-62 साल की आयु में ली अंतिम सांस, व्यावसायिक जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रसिद्ध शीर्ष निवेशक राकेश झुनझुनवाला अब नहीं रहे उनका निधन हो गया है। 62 वर्षीय झुनझुनवाला को भारत का वॉरेन बफेट भी कहा जाता था। उनके निधन की खबर से सब हतप्रभ हैं। उनके निधन की खबर ऐसे समय आई है जब हाल में उन्होंने अपनी एयरलाइन शुरू की थी। इसका नाम आकासा एयर है। उन्हें शेयर बाजार का बिग बुल भी कहा जाता था। उनकी सूझबूझ की मिसाल दी जाती थी। उनकी पत्नी का नाम रेखा है। आकासा एयर में सबसे बड़ी हिस्सेदारी राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी रेखा की है। दोनों की कुल हिस्सेदारी 45.97 फीसदी है।

पिछले महीने 5 जुलाई को उनका जन्मदिन था। उनके अचानक नहीं रहने की खबर ने पूरे बाजार को सकते में डाल दिया है। झुनझुनझुनवाला के बारे में कहा जाता था कि वो मिट्टी भी छू लें तो सोना बन जाती है। 36 साल पहले राकेश झुनझुनवाला ने निवेश के सफर की शुरुआत की थी। सिर्फ 5,000 रुपये से। आज उनकी नेटवर्थ तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपये की थी। उनका जादुई हाथ जिस शेयर पर पड़ जाता था वो रातोंरात बुलंदियों पर पहुंच जाता था। यही कारण है कि उनकी हर चाल पर निवेशकों की नजर रहती थी। शेयरों को चुनने में उनकी पैनी नजर बेजोड़ थी। जब उन्होंने निवेश की शुरुआत की थी तभी से यह बात सच साबित होने लगी थी। इसी के चलते राकेश झुनझुनवाला भारत के वॉरेन बफे के नाम से मशहूर हो गए।

झुनझुनवाला ने कॉलेज में पढ़ते हुए ही शेयर बाजार में दस्तक दे दी थी। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट से उन्होंने सीए की डिग्री ली। हालांकि, उन्हें दलाल स्ट्रीट से मोहब्बत हो गई थी। उन्हें यकीन था कि अगर कहीं से बड़ा पैसा बनाया जा सकता है तो वह सिर्फ यही जगह है। शेयर बाजार में झुनझुनवाला की दिलचस्पी पिता के कारण हुई। उनके पिता टैक्स ऑफिसर थे। वह अक्सर अपने दोस्तों के साथ शेयर बाजार की बातें किया करते थे। झुनझुनवाला को इसमें बड़ा मजा आता था। झुनझुनवाला आरएआरई एंटरप्राइजेज नाम की निजी ट्रेडिंग फर्म चलाते थे। इसकी नींव उन्होंने 2003 में रखी थी। इस कंपनी के पहले दो शब्द 'आरए' उनके नाम पर थे। वहीं, 'आरई' उनकी पत्नी रेखा के नाम के शुरुआती शब्द हैं। हाल में राकेश झुनझुनवाला ने एविएशन इंडस्ट्री में कदम रखे थे।

पीएम मोदी ने झुनझुनवाला के निधन पर व्यक्त की गहरी संवेदना :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राकेश झुनझुनवाला के निधन पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने ट्वीट किया, 'राकेश झुनझुनवाला अदम्य साहस वाले व्यक्ति थे। वे जीवन को संपूर्णता में जीते थे और जीवन के प्रति गहरी समझ रखते थे। वे मजकिया भी खूब थे। वित्तीय दुनिया में राकेश झुनझुनवाला ने अमिट योगदान दिया है। वे भारत की प्रगति के प्रति भी बेहद उत्साहित रहते थे। उनका जाना बेहद दुखद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना। ओम शांति'। हाल ही में राकेश झुनझुनवाला ने पीएम मोदी के साथ मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान एक दिलचस्प वाक्या हो गया। जब पीएम से मुलाकात के बाद उनकी तस्वीर सामने आई तो उनकी शर्ट बेहद मुड़ी-तुड़ी थी। जब उनसे इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने मजकिया अंदाज में कहा, 'इसमें मेरी क्या गलती।' उन्होंने कहा कि उन्होंने शर्ट में प्रेस तो कराई थी। इसके बावजूद इसमें सिलवटें पड़ गईं तो वे क्या कर सकते हैं। फिर उन्होंने मजाक में कहा, 'मुझे कौन सा क्लाइंट बनाना है या कस्टमर बनाना है।' इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने झुनझुनवाला की जमकर तारीफ की थी। पीएम मोदी ने उन्हें वन एंड ओनली कहकर संबोधित किया था। पीएम मोदी ने ट्वीट किया था, 'वन एंड ओनली राकेश झुनझुनवाला से मिलकर खुशी हुई। जीवंत, अंतर्दृष्टिपूर्ण और भारत को लेकर आशावादी।'

## विभाजन इतिहास का सबसे दुःखद दौर, पीड़ितों का धैर्य और दृढ़ता सराहनीय : मोदी

-विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया गया 14 अगस्त, भाजपा ने वीडियो जारी कर कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत आज यानी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज, विभाजन भयावह स्मृति दिवस पर मैं उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाई। विभाजन भारतीय इतिहास का सबसे दुखद दौर रहा है। उस दौर में लाखों निर्दोष लोगों को बेहिसाब पीड़ा झेलनी पड़ी। पीएम मोदी ने कहा कि मैं इस दौर में पीड़ित सभी लोगों के धैर्य और दृढ़ता की सराहना करता हूं।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक खास वीडियो जारी कर देश के विभाजन के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से वीडियो जारी करते हुए लिखा 14 अगस्त का दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने की न केवल याद दिलाएगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव की भावना भी मजबूत होगी। आइए, उन वीर सपूतों को नमन करें, जिन्होंने विभाजन की विभीषिका झेली है।

भाजपा ने कहा जिन लोगों को भारत की सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता, मूल्यों, तीर्थों का कोई ज्ञान नहीं था, उन्होंने मात्र 3 सप्ताह में सदियों से एक साथ रह रहे लोगों के बीच सरहद की लकीरें खींच दी। उस समय कहां थे वे लोग जिन पर इन विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ संघर्ष करने की जिम्मेदारी थी।

भारत 15 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, वहीं पाकिस्तान 14 अगस्त को अपनी आजादी का दिवस मनाता है। 14 अगस्त 1947 को ही भारत को विभाजन हुआ था और पाकिस्तान को अलग राष्ट्र घोषित कर दिया गया था।

इतिहास में 14 अगस्त एक ऐसी तारीख है जिस दिन भारत मां के सीने को छलनी कर दिया गया था। इस दिन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दिन की 'विभीषिका और भयावहता' की याद में पीएम मोदी ने पिछले साल यानी 2021 में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप मनाने का भी ऐलान किया था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि बंटवारे में विस्थापित होने वाले और जान गंवाने वाले हमारे लाखों बहनों और भाइयों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को विभाजन 'विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का फैसला लिया गया है।

## लगातार नौंवी बार स्वतंत्रता दिवस पर देश को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नौवीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। इस साल 15 अगस्त को होने वाला समारोह खास है, क्योंकि यह भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हो रहा है। सरकार ने इस मौके पर कई कार्यक्रम शुरू किए है। सरकार ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर 'हर घर तिरंगा' समेत कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

पीएम मोदी अक्सर इस अवसर पर अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के अहम नतीजों पर बात करते हैं और कई बार महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हैं। उन्होंने पिछले साल अपने भाषण में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन, गति शक्ति मास्टर प्लान और 75 सप्ताह में 75 वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणाएं की थीं।

## आयशर ट्रक व स्विफ्ट कार में भीषण टक्कर, 6 लोगों की हुई मौके पर मौत

बीड(ईएमएस) महाराष्ट्र के बीड जिले में आयशर ट्रकऔर स्विफ्ट कार के बीच हुई भीषण टक्कर में एक छोटे बच्चे समेत 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसा बीड के पाटोदा-मांजरसुभा रोड पर हुआ। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक और कार डिवाइडर से टकराते हुए दूसरी तरफ गिर गए। दोनों को निकालने के लिए क्रेन भी मंगवानी पड़ी। मरने वाले सभी लोग शादी समारोह में जा रहे थे। तभी रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह 7 बजे की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस हादसे की जांच-पड़ताल में जुटी है।

वहीं, देर रात चंद्रपुर में भी एक बड़ा सड़क हादसा हो गया था। यहां सड़क के बीच में बैठी गाय को बचाने के प्रयास में एक वाहन खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में दंपति समेत 4 व्यक्तियों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि दुर्घटना चंद्रपुर-गढ़चिरौली राजमार्ग पर साओली थानाक्षेत्र के किसान नगर में हुई। गढ़चिरौली जिले के पंकज बागड़े (26) अपने दोस्त अनूप तादुलवार (35) के साथ डीजे का कुछ सामान खरीदने के लिए वाहन से चंद्रपुर गए थे।

उनके साथ तादुलवार की पत्नी, एक रिश्तेदार और एक दोस्त भी कार में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया, 'सामान खरीदने के बाद घर लौटते समय चालक ने सड़क के बीच में बैठी एक गाय को बचाने की कोशिश में वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

## दुर्दांत आतंकी निज्जर को भारत लाने की कवायद, पंजाब पुलिस ने कनाडा सरकार को लिखा खत

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब पुलिस ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा वांछित कनाडा स्थित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर को भारत लाने की कवायद शुरू कर दी है। एनआईए ने निज्जर पर 10 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा भी कर रखी है। निज्जर पर पिछले साल पंजाब के जालंधर में एक हिंदू पुजारी की हत्या का आरोप है। जानकारी के मुताबिक पंजाब पुलिस ने निज्जर को भारत लाने के लिए कनाडा सरकार को पत्र लिखा है जिसमें उसकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण की मांग की गई है।

## देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, जो भी हमारी शांति में खलल डालेगा उसे जवाब दिया जाएगा : राजनाथ

जोधपुर (ईएमएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ने चीन को अपने क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा जो भी कहा जाए, भारत ने अपनी जमीन पर किसी को भी अतिक्रमण नहीं करने दिया। केंद्र सरकार ने भारत के लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और जो भी देश की शांति एवं सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसे जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस मामले में कई घटनाएं हुईं, जिन्हें हम केवल दो-तीन लोग ही जानते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उन विवरणों का खुलासा नहीं कर सकता लेकिन हमने उन्हें अपने क्षेत्र में घुसपैठ नहीं करने दी। राजनाथ सिंह ने राजनीतिक दलों से मुद्दों का राजनीतिकरण न करने की अपील की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों को नवीनतम हथियारों और प्रौद्योगिकी से लैस किया जा रहा है तथा वे भविष्य के सभी खतरों से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके मंत्रालय ने स्वदेशी हथियारों के निर्माण के लिए कई सुधार किए हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किए गए उपायों के कारण, भारत दुनिया के शीर्ष 25 रक्षा निर्यातकों में जगह पाने के लिए छलांग लगा चुका है। इस दशक के अंत तक, भारत न केवल अपने लिए रक्षा उपकरण बनाएगा, बल्कि मित्र देशों की जरूरतों को भी पूरा करेगा। सिंह मुगल काल के राजपूत सेनापति वीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा के अनावरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है।

राजपूत सेनापति की 385वीं जयंती पर जोधपुर के सलवां कलां गांव में राठौर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, कहा जाता है कि राजनीतिक नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, लेकिन भाजपा जो कहती है वह करती है। हमें यह प्रेरणा वीर दुर्गादास राठौर जैसे धरती के सपूतों से मिलती है। प्रतिमा की स्थापना की प्रशंसा करते हुए सिंह ने कहा कि राठौर हमेशा धार्मिक सौहार्द के लिए खड़े रहे। राजनाथ सिंह ने कहा हमें ऐसे समय में उनसे सीखने की जरूरत है जब कुछ ताकतें हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार को बढ़ाने की साजिश कर रही हैं। इससे पहले, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सदस्य राजेंद्र गहलोत और अन्य भाजपा नेताओं ने यहां हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री का स्वागत किया।

## कांग्रेस बोली- 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने के पीछे राजनीतिक लाभ की अपेक्षा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने 14 अगस्त के दिन 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने को लेकर केंद्र सी मोदी सरकार पर निशाना साधा और उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वास्तविक मंशा को उजागर किया और कहा कि सबसे दुखद ऐतिहासिक घटनाओं को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल घोषणा की थी कि लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त के दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विभाजन की त्रासदी का इस्तेमाल नफरत और पूर्वाग्रह की भावना को भड़काने के लिए नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नफरत की राजनीति हारेगी और कांग्रेस गांधी, नेहरू, पटेल तथा अन्य नेताओं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को एकजुट करने का प्रयास जारी रखेगी।

जयराम रमेश ने ट्वीट किया, '14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने के पीछे प्रधानमंत्री की वास्तविक मंशा सबसे दुखद ऐतिहासिक घटनाओं को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की है। लाखों लोग विस्थापित हुए और जानें गईं। उनके बलिदानों को भुलाया या निरादर नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने लिखा, 'बंटवारे की त्रासदी का दुरुपयोग नफरत और पूर्वाग्रह की भावना को भड़काने के लिए नहीं होना चाहिए। सच यह है कि सावरकर ने द्विराष्ट्र का सिद्धांत दिया और जिन्ना ने इसे आगे बढ़ाया। पटेल ने लिखा था कि मुझे लगता है कि अगर विभाजन स्वीकार नहीं किया गया, तो भारत कई टुकड़ों में बंट जाएगा।'

कांग्रेस नेता ने पूछा, 'क्या प्रधानमंत्री आज जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद करेंगे, जिन्होंने शरत चंद्र बोस की इच्छा के खिलाफ बंगाल के विभाजन का समर्थन किया था और वह तब स्वतंत्र भारत की पहली कैबिनेट में शामिल हुए थे, जब विभाजन के दर्दनाक परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे थे।' रमेश ने ट्वीट किया, 'देश को बांटने के लिए आधुनिक दौर के सावरकर और जिन्ना का प्रयास आज भी जारी है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस गांधी, नेहरू, पटेल और अन्य नेताओं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को एकजुट करने का प्रयास जारी रखेगी। नफरत की राजनीति हारेगी।'

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और इतिहास के उस दुखद काल के पीड़ितों के धैर्य और सहनशक्ति की सराहना की। गौरतलब है कि 1947 में भारत के विभाजन के दौरान हुए सांप्रदायिक दंगों में लाखों लोग विस्थापित हुए थे और बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे।

## खतरे से बाहर आए रुश्दी, वेंटिलेटर हटा, हमलावर ने नहीं स्वीकारा अपराध

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारतीय मूल के ख्यात 75 वर्षीय लेखक सलमान रुश्दी को वेंटिलेटर से हटा दिया गया है। रुश्दी पर शुक्रवार न्यूयॉर्क में एक मंच पर भाषण के दौरान चाकू से हमला किया गया था। जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वे पूरी तरह खून से लथपथ थे। अस्पताल में बताया गया कि उनका लीवर क्षतिग्रस्त हो गया था और एक आंख खोने की संभावना भी बनी हुई थी। खबर के अनुसार सलमान रुश्दी के एजेंट एंड्रयू वायली ने इस बात की जानकारी दी है कि रुश्दी को वेंटीलेटर से हटा दिया गया है और अब वह बात करने में भी सक्षम हो सकते हैं। जबकि न्यूयॉर्क पुलिस ने एक बयान में कहा कि रुश्दी पर चाकू से हमला करने वाले 24 वर्षीय हादी मतार को शनिवार को रिमांड पर चौटाउक्वा काउंटी जेल लाया गया। न्यूयॉर्क की अदालत में आरोपी ने लगाए गए आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का दावा किया है।

रुश्दी पर हुए इस हमले के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी व्यापक रूप से निंदा हुई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्वीट किया कि 'सर सलमान रुश्दी को छुरा घोंपा गया। अभी मेरी संवेदनाएं उनके चाहने वालों के साथ हैं। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि वह ठीक हैं।' वहीं ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने भी कहा है कि 'सलमान रुश्दी पर हुए हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्र मूल है। जिसे हम प्रिय मानते हैं। इसे काम करने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।'

ज्ञात हो कि रुश्दी पर हुए इस हमले के बाद ईरान के स्थानीय लोगों ने हमलावर का समर्थन किया है। रुश्दी की किताब 'द सैटेनिक वर्सेज' प्रकाशित होने के बाद एक विवाद पैदा हो गया था। जिसके बाद ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्ला खोमैनी ने रुश्दी को मौत की सजा देने का फतवा जारी किया था। हत्या करने वाले को 30 लाख डॉलर से अधिक का इनाम देने की भी पेशकश की गई थी।

## जालौर में दलित छात्र की मौत के बाद भाजपा ने गहलोत सरकार पर साधा निशाना

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में जालौर जिले के एक निजी स्कूल में दलित छात्र की पिटाई के बाद उसकी मौत पर राजनीति शुरू हो गई है। यह मामला जालौर के एक निजी स्कूल का है, जहां एक अध्यापक ने पेयजल का मटका छूने पर नौ वर्षीय दलित बच्चे को कथित रूप से जमकर पिटाई कर दी, जिसके बाद शनिवार को उसकी मौत हो गई। यह घटना सामने आने के बाद भाजपा ने अशोक गहतोल सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे ने कहा कि जालौर में मासूम इंद्र की हत्या बेहद दुखद व निंदनीय है। देश को आजाद हुए भले ही 75 वर्ष हो गए, लेकिन कुछ लोगों की मानसिकता अब भी बदली नहीं है।

मैं राजस्थान को शर्मसार करने वाली इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए जल्द से जल्द इंद्र को न्याय दिलाने की मांग करती हूं। दूसरी ओर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सतीश पुनिया ने कहा कि एक व्यक्ति ऐसे कृत्य तभी करता है जब उसे प्रशासन का डर नहीं होता।

### अवकाश सूचना

दि.१५-८-२०२२ सोमवार को स्वतंत्रता दिन के उपलक्ष में जनहितैषी कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: दि. १६-८-२०२२ मंगलवार का अंक प्रकाशित नही होगा। दि. १७-८-२०२२ बुधवार से अंक नियमित प्रकाशित होगा।

-संपादक

### कार्टून कोना

## जन हितैषी

# इथेनॉल पर आश्रित

भारत तेल आयात पर अपनी निर्भरता को कम करने के साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करना चाहता है, इसके लिए वह अगले साल अप्रैल से चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के साथ पेट्रोल की आपूर्ति शुरू करेगा। इसके बाद सरकार धीरे-धीरे आपूर्ति को बढ़ाएगी। भारत ने इस साल जून में निर्धारित समय सीमा से पांच महीने पहले 10 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था। तय समय से पहले 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के अपने लक्ष्य को हासिल करने के बाद, अब 2025 तक पेट्रोल को 20 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिलाने का लक्ष्य तय किया है। 2025 तक पेट्रोल का पांचवां हिस्सा इथेनॉल से बनाया जाएगा। कुछ मात्रा में अप्रैल 2023 से उपलब्ध होगा और शेष 2025 तक मिल जाएगा। पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण के जरिए, देश 41 हजार 500 करोड़ रुपए से ज्यादा के विदेशी मुद्रा प्रभाव को बचा सकता है, 27 लाख टन के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर सकता है और साथ ही किसानों को 40,600 करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान शीघ्रता से किया जा सकता है। 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति से अनुमानित रूप से सालाना चार अरब डॉलर की बचत होगी। हाल ही में विश्व जैव ईंधन दिवस ( वल्र्ड बायोफ्यूल डे ) के मौके पर, प्रधानमंत्री मोदी ने पानीपत में 2जी इथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया था। प्लांट की स्थापना जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा वर्षों से उठाए गए कदमों की श्रृंखला का हिस्सा है। इसे इंडियन ऑयल द्वारा 900 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनाया गया है और इसमें सालाना दो लाख टन चावल के भूसे को तीन करोड़ लीटर इथेनॉल में बदलने की क्षमता है। इसके अलावा, यह परियोजना हर साल तीन लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन के बराबर ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाने में योगदान देगी। इसकी बराबरी देश की सड़कों पर सालाना लगभग 63,000 कारों को हटाने से की जा सकती है। पूरे विश्व में एथेनॉल के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी जा रही है। एथेनॉल दोनों मामलों में एमटीबीई की तुलना में सुरक्षित है। एथेनॉल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने में भी मददगार होगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। इथेनॉल और गैसोलीन की की मौजूदा कीमतों एथेनॉल के प्रति लीटर इस्तेमाल से तेल विपणन कंपनियों को 11 रुपए की बचत होती है।

इस तरह पेट्रोलियम उद्योग में अंडर-रिकवरी के भार को कम करने में भी इथेनॉल मिश्रण योजना फायदेमंद होगी। भारत में इथेनॉल का उत्पादन शीरे से किया जाता है। एथेनॉल उद्योग को बढ़ावा दिए जाने से शीरा, कृषि उत्पादों और कृषि अपशिष्ट की मांग भी बढ़ेगी। इससे किसानों की आमदनी को अतिरिक्त सहारा मिलेगा। सामान्य चीनी उत्पादन के मौसम में देश में 2.4 अरब लीटर एल्कोहल उत्पादन के लिए मोलासेस की आपूर्ति पर्याप्त होती है। पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर देश में हर साल एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक कारोबार और कीमती विदेशी मुद्रा को बचाने में मदद मिल सकती है। वर्तमान में, देश में पेट्रोल में पांच प्रतिशत इथेनॉल का ब्लेंडिंग किया जाता है। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण और 5,000 बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की योजना है, जिससे हम एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक कारोबार कर सकते हैं। वैसे तो प्रकृति ने हमें सौर ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा आदि के रूप में ऊर्जा का अकूत भंडार सौंप रखा है और हम इनका उपयोग भी काफी हद तक करना सीख गए हैं। फिर भी, कई क्षेत्रों, विशेषकर यातायात के क्षेत्र में आज भी हम मुख्य रूप से जीवाश्म-ईंधन यथा कोयला एवं पेट्रोलियम पर ही निर्भर हैं। दुर्भाग्य से न तो इनका वितरण संसार के सभी देशों में एक सार है और न ही हमारे पास इनका असीमित भंडार ही है। जिस रफ्तार से उनका उपयोग हो रहा है, ये बहुत दिनों तक नहीं चलने वाले है।

# कैसी आजादी के पक्षधर हैं हम?

( स्वतंत्रता दिवस पर विशेष )

प्रतिवर्ष कैलेंडर की घूमती तारीख की तरह 15 अगस्त का विशेष दिन हर साल की भांति एक बार फिर हमारे सामने है। यह दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरवशाली दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में एक अलग ही जज्बा और उत्साह समाहित रहता है। इस बार स्वतंत्रता दिवस की महत्ता इसलिए भी बहुत ज्यादा है क्योंकि इस वर्ष देश की गुलामी की जंजीरों से मुक्ति के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है और प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान भी चलाया जा रहा है। हालांकि जब हर वर्ष देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र की आन-बान और शान के प्रतीक इसी तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुतेरे ऐसे जनप्रतिनिधियों को भी देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए पूरे 75 बरस हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 75 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात साल दर साल किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि अक्सर गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, सभी के सामने है।

आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, उस राष्ट्र की ऐसी दुर्दशा होगी और आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुवर्यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। 'सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। ऐसे हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द ही अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कहीं कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कहीं कोई इसे गिराने के प्रयासों में। संसद और विधानसभाओं में हंगामेदार तस्वीरें तो अब कोई नई बात नहीं रह गई है। ऐसे बदरंग हालातों में रह-रहकर यह सवाल सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है?

इस सवाल का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह नहीं जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर किसे कहते हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी बेहद जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं? क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा राष्ट्र रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब झुलसते रहे हैं और हर कोई ऐसे विध्वंसक अवसरों का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में ही जुटा नजर आया है। आजादी के बाद के इन साढ़े सात दशकों में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। भले ही भ्रष्टाचार पर नकेल कसे जाने के कितने ही ढ़ोल क्यों न पीटे जाते रहें किन्तु वास्तविकता यही है कि आज भी अधिकांश जगहों पर बिना लेन-देन के कार्य सम्पन्न नहीं होते। बड़े नेताओं की तो छोड़ दें, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। आजादी का एक शर्मनाक पहलू यह भी है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि भी प्रायः सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है।

लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता के लिए इस दिशा में फिर से चिंतन-मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह आखिर किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके। इस तरह के परिवेश पर सभी देशवासियों को आजादी के इस पावन पर्व पर सच्चे मन से मंथन कर सही दिशा में संकल्प लेने की भावना जागृत करनी होगी, तभी आजादी के वास्तविक स्वरूप को परिलक्षित किया जा सकेगा। ( लेखक-योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस )( लेखक 32 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं )

# आजादी के अमृत महोत्सव से वंचित ही रहा अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स!

उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के स्वाधीनता संघर्ष के संयुक्त नायक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स जिन्होंने शहादत हरिद्वार में दी तो जन्म सहारनपुर जनपद के गांव खजूरी अकबरपुर में लिया था,को केंद्र व प्रदेश सरकारों द्वारा मनाए जा रहे आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत भी वह सम्मान नही मिल पाया,जिसके वे हकदार है। मात्र 17 वर्ष की अल्पायु में 14 अगस्त सन 1942 में हरिद्वार की सड़कों पर तिरंगे फैहराते हुए शहीद हुए मेरे मामा अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के बलिदान दिवस पर हरिद्वार जिला प्रशासन प्रतिवर्ष 14 अगस्त को एक कार्यक्रम तो हरिद्वार के भल्ला पार्क में आयोजित करता है।लेकिन उसमें शहीद के प्रति सम्मान का भाव कम और ओपचारिकता अधिक अपनाई जाती है।जिसमे अधिकृत रूप से शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिजनों तक को आमंत्रित नही किया जाता।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की प्रतिमा के रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम या फिर जिला प्रशासन की है।लेकिन उनकी प्रतिमा वर्ष भर धूल व गन्दगी ही नही ,आस पास के दुकानदारों द्वारा किया गया अतिक्रमण भी झेलती है।गत 4 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हरिद्वार में देवपुरा चौक से शहीद जगदीश वत्स प्रतिमा स्थल तक निकाली गई तिरंगा सम्मान यात्रा की अग्रिम अनुमति के बावजूद न तो शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा की नगर निगम या फिर जिला प्रशासन द्वारा सफाई कराई गई और न ही स्वतंत्रता सेनानी व उनके उत्तराधिकारियों का ज्ञापन लेने के लिए जिलाधिकारी या फिर उनके अधीनस्थों ने शहीद स्थल पर आने की जरूरत महसूस की।ऐसे में कहा जा सकता है कि आजादी से पहले ब्रिटिश हुकूमत का प्रतिबंध था और आजादी के 75 वर्ष बाद भी लोकतांत्रिक रूप में चुनी गई उत्तराखंड सरकार और उसके जिला प्रशासन की मनमानी का शिकार आजादी के इन दीवानों व उनके परिवारों को झेलना पड़ रहा है। अमर शहीद जगदीश वत्स के नाम से हरिद्वार में स्वाधीनता सेनानी सदन बनाने की एक साल पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा को भी सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष नेता व अधिकारी पलीता लगा रहे है।क्या शहीद जगदीश वत्स के साथ हो रहे इस अन्याय का प्रतिवाद नही होना चाहिए?

भला हो शहीदों के प्रति सम्मान अभिव्यक्त करने वाले सन्त ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का,जिन्होंने स्वयं के खर्च से हरिद्वार के भल्ला पार्क में 17 वर्षीय शहीद जगदीश की प्रतिमा कुछ दशक पहले लगवा दी थी और जिला प्रशासन को प्रेरित कर सरकारी स्तर पर 14 अगस्त को श्रद्धांजलि कार्यक्रम परम्परा शुरू कराई।लेकिन समय के साथ जहां उक्त स्वाधीनता सेनानी पार्क आस पास के दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण का शिकार है,वही जिला प्रशासन भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम के नाम पर सिर्फ ओपचारिकता निभाकर स्वतंत्रता सेनानी व उनके परिवारों की भावनाओं को आहत कर रहा है। प्रति वर्ष उनके श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद जगदीश वत्स की जीवनी पाठयक्रम में शामिल करने व उनकी स्मृति में सरकारी स्तर पर एक पुरुस्कार शुरू करने की मांग उठती रही है।मेरे प्रस्ताव पर तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शहीद जगदीश वत्स की जीवनी पाठयक्रम में शामिल करने का निर्णय लेकर अपर मुख्य सचिव को लिखित निर्देश भी दिया था,लेकिन उक्त पत्रावली सरकार बदलते ही कही लुप्त हो गई है।अलबत्ता शहीद वत्स के परिवार ने स्वयं के संसाधनों से शहीद जगदीश वत्स के गांव खजूरी अकबरपुर में उनकी स्मृति में खोले गए जगदीश प्रसाद स्मारक जूनियर हाईस्कूल परिसर में उनकी प्रतिमा लगा दी है। ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज हरिद्वार ने भी अपने इस छात्र शहीद जगदीश वत्स के नाम से वालीबाल टूर्नामेंट कराकर और कॉलेज परिसर में उनकी मूर्ति लगवाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है।इसी प्रक्रिया में हरिद्वार में प्रस्तावित स्वाधीनता सेनानी सदन भी शहीद जगदीश वत्स के नाम से बने इसके लिए स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन पुरजोर कौशिश में लगा है।लेकिन सरकार व प्रशासनिक स्तर पर इस बाबत बरती जा रही शिथिलता व नगर निगम की बेरुखी के चलते उंक्त बाबत जमीन तक उपलब्ध नही कराई जा सकी है।

17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स में बचपन से ही एक कवि के भी गुण थे ,जब वे कक्षा 10 के छात्र थे तो उन्होंने अपने तत्कालीन गुरु आचार्यश्री रामदेव के निधन से आहत होकर उन्हें जो काव्यांजलि प्रस्तुत की थी ,उस काव्यांजलि रूपी कविता को आर्य समाज के संस्थापक महऋषि दयानन्द सरस्वती द्वारा रचित सत्यार्थ प्रकाश पुस्तक मे स्थान दिया है।इस कविता की खोज मेरे मित्र फिल्म निर्देशक डा सुभाष अग्रवाल ने टंकारा, गुजरात प्रवास के दौरान की।सचमुच हमारे लिए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स को भी वही सम्मान मिले, जो शहीद भगत सिंह को मिलता है। शहीदो के बीच कोई भेदभाव नही होना चाहिए ।जिसने भी देश के लिए प्राण न्योछावर किये, वही नमन किये जाने योग्य है। हरिद्वार में 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने सन 1942 में ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में पढते हुएआजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिंरगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय,इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे ,लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी

बांधी और रेलवे लाईन के रास्ते हरिद्वार के रेलवेस्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे घेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को रसीद कर दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुर्छित हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्स्पैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी व एक प्रमाण पत्र वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर के रूप में आज भी सुरक्षित है।

अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिवार में किसी भी आश्रित ने किसी भी सरकार से स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पेंशन या अन्य कोई सम्मान या सरकारी सहायता स्वीकार नही की।जबकि जगदीश की शहादत के एक वर्ष के अन्दर उनकी माता जमुना देवी व पिता कदम सिंह शर्मा की मृत्यु हो गई थी और घर में परिवार के नाम पर शहीद जगदीश की 15 वर्षीय छोटी बहन प्रकाशवती,13 वर्षीय छोटी बहन चन्द्रकला,10 वर्षीय छोटी बहन सुरेशवती और

मात्र 5 वर्षीय छोटा भाई सुरेश दत्त वत्स रह गए थे, जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी 15 वर्षीय बहन प्रकाशवती यानि मेरी मां पर आन पडी थी,तो भी सरकारी सहायता को ठुकरा देना आजादी के बाद की यह एक

बडी मिशाल कही जा सकती है।काश!आज़ादी के इस अमृत महोत्सव में इस किशोर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स को भी वह सम्मान मिल पाता,जिसके वे हकदार है।अन्यथा शहीद के नाम पर वाह वाही बटोरने या फिर ढोल पीटने का क्या फायदा? ( लेखक-श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस )

# 75 वर्ष बाद भी हम पाश्चात्य संस्कृति के गुलाम।

15 अगस्त पर विशेष

सैकड़ों वर्षो की अंग्रेजों की गुलामी से भारत को आजाद कराने हजारों भारत माता के सपूतों ने स्वाधीनता आन्दोलन चलाया। जेलों अमानवीय यातनायें सही और शहीद हुए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले अहिंसक आन्दोलन ने अंग्रेजों को मजबूर कर दिया कि भारत को आजाद करना ही होगा। वह शुभ घड़ी 15 अगस्त 1947 को आई जब हम गुलामी की जंजीरों से मुक्त होकर स्वतंत्र भारत के नागरिक गर्व से कहलाये।

भारतवर्ष को आजाद हुए 75 वर्ष पूर्ण हो गये है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। सरकार के आव्हान पर सारे देश में घर घर तिरंगा अभियान चलाया है। देश में तिरंगा यात्रा निकाल कर इस पर्व को गौरवशाली बनाया है। यह अभियान स्वागत योग्य है। हमने भारत में आजादी के बाद हर क्षेत्र में तीव्र गति से विकास किया है। कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार क्रांति में अप्रत्याशित प्रगति हुई है। आम आदमी गुलामी के समय निर्धनता में जीवन यापन करता था। अब सम्पन्नता आई है, जीवन स्तर भी बदला है। खुशहाली आई है। इन अनेक उपलब्धियों और सफलताओं के बीच अनेक ऐसे प्रश्न हैं जो आजादी देने के साथ ही अंग्रेज हमे दे गये हैं, जिन्हे 75 वर्ष से जोर शोर से जारी रखे हुए हैं। भारत को आजाद करने के साथ ही अंग्रेजों ने देश के टुकड़े कर पाकिस्तान का गठन कर दिया। आज तक भारत और पाकिस्तान के बीच कटुता जारी है। मधुर संबंध बनने की तो हम कल्पना भी नहीं कर सकते। सन 1947 से पूर्व भारत एक था। आजादी के बाद दो भाई एक दूसरे के दुश्मन बने हुए है। पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से हम हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति से विमुख हो रहे हैं। हम जन्मदिन को पाश्चात्य रीति रिवाजों के अनुसार बर्थ डे के रूप में मनाते हुए मोमबत्ती बुझा रहे हैं। मोमबत्ती बुझाकर प्रकाश से अंधकार की ओर जा रहे है। जबकि भारतीय संस्कृति अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का पावन संदेश देती है। कहा है तमसो माँ ज्योर्गमय। हम दीप जलाने की भारतीय परंपरा को भूल गये है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार नव वर्ष का शुभारंभ विक्रम संबत, गुड़ी पड़वा या दीपावली के पावन दिन से होता है। भारतीय नव वर्ष को भूलकर एक जनवरी को हम नया वर्ष प्रारंभ कर उत्सव जोर शोर से मना रहे है। 31 दिसंबर को रात्री बारह बजे से जश्न नाच गाने एवं नशे से प्रारंभ होता है जो रात भर चलता है। एक जनवरी को नया वर्ष विदेशों में आता है। साथ ही एक अप्रेल को भी नया वर्ष मनाने की देन अंग्रेजों की है। एक अप्रेल को अंग्रेज ही मूर्ख दिवस मनाते है। दूसरी ओर एक अप्रेल से नया वर्ष प्रारंभ कराकर अंग्रेज हमे मूर्ख बना रहे हैं। भारत में घी दूध की नदियां बहती थी। चाय अंग्रेज ही भारत में लाये। आजादी से पूर्व अंग्रेजों ने भारतवासियों को चाय का चस्का लगाने नगर नगर में चाय के स्टाल लगाकर निशुल्क चाय पिलायी। आज हर परिवार में विस्तर से उठते ही चाय चाहिए।आज दूध कोई नहीं पीता चाय पीते है। भारतवासियों को चाय का नशा अंग्रेज ही दे गये हैं। हमारी भारतीय संस्कृति संयुक्त परिवार की थी, मगर दुख है कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर संयुक्त परिवार टूट गये हैं। एकल परिवार की परंपरा प्रारंभ हो गई है। वृद्ध, बीमार, असहाय माता-पिता के जीवन के अंतिम समय में बेटा उनका सहारा न बनकर उन्हें उपेक्षित जीवन जीने मजबूर कर रहे हैं। जिन माता-

पिता ने जन्म दिया, लालन-पालन किया, पढ़ाया,

सुखी जीवन जीने का मंत्र दिया उनको जीवन के अंतिम समय में वृद्धाश्रम में रहने के लिये मजबूर करते है। माता-पिता को वृद्धाश्रम रखने की परंपरा पाश्चात्य संस्कृति की देन है। अपने माता-पिता को हम अंग्रेजों का अनुशरण कर मोम, डेड कह रहे हैं।जीवित पिता को डेड कर रहे हैं और माता को मोम का पुतला बता रहे हैं। माता-पिता का इससे ज्यादा अपमान और क्या होगा। माता-पिता पाश्चात्य संस्कृति में रच पच गये है वे भी अपनी संतान से मोम डेड कहलाने में अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। भारत के संविधान में धर्म निरपेक्षता के सिद्धांत को स्वीकार किया है। सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इसी सिद्धांत के अनुरूप भारत में ईसाई मिशनरियों द्वारा सारे देश में स्कूल और अस्पताल संचालित हैं। सारे देश में गरीब आदिवासियों को स्वावलंबन का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जाता है उन्हें ईसाई बनाया जाता है। स्कूलों में जिन छात्र छात्राओं द्वारा प्रवेश लिया जाता है उन्हें ईसाई धर्म के नियम सिखाये जाते हैं तथा उन्हें इनका अनुशरण करने की शिक्षा दी जाती है। मिशनरी स्कूलों में दीपावली के स्थान पर गुड फ्राइडे मनाया जाता है। जिससे बचपन से ही बच्चे पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में चले जाते हैं। पाश्चात्य संस्कृति का ही प्रभाव है आज लड़का लड़की एकसी ड्रेस पहन रहे है। यह पहचानना कठिन होता है कि लड़का कौंन है लड़की कौंन है। जब हर अंग्रेजों के गुलाम थे, उस समय उन्नीसवीं शताब्दी में सुप्रसिध्द दार्शनिक लार्ड मेकाले भारत भ्रमण पर आया। उसने भारत भ्रमण कर वापस इंग्लैंड पहुंच पर वहाँ की संसद हाउस आफ कामन्स् में भाषण देते हुए भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों का उल्लेख करते हुए कहा था भारत में भाई चारा है, चोरी, अपराध नहीं के बराबर है सभी एक दूसरे की मदद करते हैं। मेकाले ने संसद में यह सुझाव दिया कि अगर भारत को लम्बे समय तक गुलाम रखना है तो वहाँ नई शिक्षा नीति लागू की जाये। लार्ड मेकाले द्वारा सुझायी शिक्षा नीति आजादी से पूर्व भारत में अंग्रेजों ने लागू की। उस शिक्षा नीति का सबसे बड़ा दोष सहशिक्षा है। सहशिक्षा से युवा पीढ़ी में अनेक विकृतियां आती है और समाज का नैतिक पतन हो रहा है। आजादी के 75 बाद भी भारत में अनेक सरकारें आई और चली गयी,मगर लार्ड मेकाले की शिक्षा नीति नहीं बदली गई है। प्रेम विवाह, विवाह पूर्व फिल्मांकन

झ्रि ैएहु ेप्ददू आदि कुप्रथाओं से भारतीय संस्कृति तार तार हो रही है। नई पीढ़ी में बढ़ रहे अपराध पाश्चात्य संस्कृति की ही देन है। हमारा दुर्भाग्य है अंग्रेज तो 75 वर्ष पूर्व भारत को आजाद करके इंग्लैंड चले गये। मगर ऐसी अनेक कुप्रथाएं या आदतें छोड़ गये जिनसे समाज विशेषकर युवा पीढ़ी का नैतिक पतन हो रहा है। विश्व बंदनीय भगवान महाबीर, भगवान बुद्ध, भगवान श्रीराम के देश में आजादी के बाद भी पाश्चात्य संस्कृति का निरंतर बढ़ता प्रभाव चिन्ता का विषय है।

नोटः- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

( लेखक-ईएमएस/विजय कुमार जैन )

### आज का इतिहास 15 अगस्त

- 1744 प्रसिया नरेश प्रेडेरिक द्वितीय के हमले के बाद दूसरो सिलेशियन युद्ध शुरू हुआ था.
- 1769 नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म.
- 1771 स्काटिश उपन्यासकार वाल्टर स्काट का जन्म.
- 1834 ब्रिटिश संसद ने दक्षिण अफ्रीका अधिनियम पारित किया.
- 1854 ईस्ट इंडिया रेलवे ने कलकत्ता से हुगली तक पहली बार रेलगाड़ी चलाई.
- 1906 चीन और ब्रिटेन के बीच तिब्बत के बारे में समझौता हुआ था.
- 1947 भारत स्वतंत्र हुआ और परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र सम्मान वीर सैनिकों के लिए शुरू किए गए.
- 1961 पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया.
- 1972 डाक विभाग ने पिन कोड व्यवस्था लागू की थी.
- 1982 टेलीविजन से राष्ट्रव्यापी रंगीन प्रसारण शुरू हुआ.
- 1999 नेपाल में बाढ़ तथा भूस्खलन से कम से कम 112 लोगों की मृत्यु.

### शब्द पहेली - 7378



**बाएँ से दाएँ**

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

**ऊपर से नीचे**

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरूरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

**शब्द पहेली -7377 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त | फ | री | ह | | क | ल | र | व |
| क | | छ | ल | क | प | ट | | र |
| गा | ख | | | म | | | बं | दा |
| र | त | | प | ल | क | | दा | न |
| | र | स | ना | | मा | ख | न | |
| त | ना | | ह | म | ल | | वा | स |
| ल | क | | | ग | | | ज | ल |
| घ | | म | न | र | ख | ना | | वा |
| र | म | जा | न | | त | क | दी | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## खेल - समाचार

### फ्रेंच लीग : नेमार के शानदार प्रदर्शन से पीएसजी ने मोंटपेलियर को 5-2 से हराया

पेरिस ( ईएमएस )। नेमार के दो गोल की सहायता से पेरिस सेंट जर्मेन क्लब ( पीएसजी ) क्लब ने फ्रेंच लीग फुटबॉल मैच में मोंटपेलियर को 5-2 से हराया है। नेमार के अलावा कालियान एमबापे ने भी एक गोल किया। नेमार ने दो गोल किये। इससे उनके दो लीग मैचों में तीन गोल हो गये हैं। वहीं एक अन्य स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी कोई गोल नहीं कर पाये। मोंटपेलियर के फालाये साको ने एमबापे के शॉट को रोकने के दौरान 39वें मिनट में एक आत्मघाती गोल कर दिया। जिससे पीएसजी की टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी।

वहीं इसके बाद नेमार ने 43वें मिनट में पेनल्टी से गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में नेमार ने अपना दूसरा गोल किया। एमबापे ने 69वें मिनट में जबकि रेनाटो सांचेज ने 87वें मिनट में गोल किया। दूसरी ओर मोंटपेलियर की ओर से वाहबी खाजरी ने 58वें मिनट में और एंजो जियानी ने अंतिम क्षणों में एक गोल दागा पर तब तक मैच पीएसजी के कब्जे में आ गया था।

### मलान की द हंड्रेड टूर्नामेंट में विस्फोटक बल्लेबाजी , 44 गेंद में 98 रन बनाये

लंदन ( ईएएस )। इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में इंग्लैंड के डेविड मलान ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंद में ही 98 रन बना दिये। मैनचेस्टर ओरिजनल और ट्रेंट रॉकेट्स के बीच खेल गये इस मैच में मलान ने मैनचेस्टर ओरिजनल के गेंदबाजों को जमकर पीटा। मलान ने इस दौरान केवल 44 गेंद में ही 98 रन बना दिये। इसमें 9 छक्के और तीन चौके शामिल थे। इस मैच में उनका स्ट्राइक रेट भी 222.73 का रहा। मलान की इस आक्रामक बल्लेबाजी से रॉकेट्स ने 190 रन बनाकर यह मैच आसानी से जीत लिया। इस मुकाबले में मलान ने केवल 23 गेंद में ही अपना अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। अर्धशतक पूरा करने के बाद मलान ने तेजी के साथ खेलते हुए जमकर चौके छक्के लगाये। मलान ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी को जारी रख नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिला दी।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते ए मैनचेस्टर ओरिजनल की टीम ने निर्धारित ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। इसमें सबसे अधिक फिलिप साल्ट ने 46 गेंद में 70 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 2 छक्का भी लगाए। वहीं कप्तान जोस बटलर ने 25 गेंद में 41 रनों का स्कोर किया। इसके अलावा आंद्रे रसेल ने 16 रन जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 27 और लॉरी इवांस ने 26 रन बनाए।

### राहुल की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज के लिए जिम्बाब्वे पहुंचीं भारतीय टीम

नई दिल्ली ( ईएमएस )। युवा बल्लेबाज लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम इस दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे के लिए पहले कप्तानी बनाये गये शिखर धवन को राहुल की वापसी के बाद उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। यह सीरीज राहुल के लिए काफी अहम हैं क्योंकि इसमें उनकी नेतृत्व क्षमता पर सबकी नजरें रहेंगी। क्रिकेट जिम्बाब्वे ने भारतीय क्रिकेट टीम के हरारे पहुंचने का एक वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो के साथ लिखा, वो यहां आ गए हैं टीम इंडिया तीन एकदिवसीय खेलने के लिए हरारे पहुंच गई है। 18, 20 और 22 अगस्त को ये मुकाबले हरारे के स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले जाएंगे।

वहीं क्रिकेट जिम्बाब्वे ने एक वीडियो भेजा है। उसमें भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और अन्य खिलाड़ी हरारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर आते नजर आ रहे हैं। इससे पहले, बीसीसीआई ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों की जिम्बाब्वे के लिए उड़ान भरने के दौरान की कुछ तस्वीरें भी साझा की थीं।

भारतीय टीम को इसी माह 27 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में भी भाग लेने है। इसी कारण जिम्बाब्वे दौरे पर युवा खिलाड़ियों को ही भेजा गया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी इस सीरीज के लिए टीम के साथ नहीं होंगे। राहुल की जगह वीवीएस लक्ष्मण इस दौरे पर मुख्य कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे।

### मंगलवार से शुरु होगा डूरंड कप फुटबॉल

कोलकाता ( ईएमएस )। 131वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत मंगलवार 16 अगस्त से होगी। इसका पहला डर्बी मुकाबला एटीके मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच यहां के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। शहर में तीन स्थलों पर यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिसमें साल्ट लेक स्टेडियम और किशोर भारती क्रीड़ांगन के अलावा उत्तरी 24 परगना जिले का नैहाटी स्टेडियम भी शामिल है।

इस टूर्नामेंट के मुकाबले गुवाहाटी और इम्फाल के खुमान लंपक स्टेडियम में भी होंगे। साल्ट लेक स्टेडियम पर ही 18 सितंबर को खिताबी मुकाबला होगा। इस स्टेडियम में 10 मैच खेले जाएंगे जिसमें सभी सात नॉकआउट मुकाबले भी शामिल रहेंगे। गुवाहाटी और इम्फाल चार ग्रुप में से एक-एक की मेजबानी करेंगे और इस दौरान इन दोनों स्थलों में से हर एक जगह पर 10 मैच खेले जाएंगे। इस बार टीमों की संख्या को बढ़ाकर 20 कर दिया गया है। पहले इसमें 16 टीमें भाग लेतीं थीं।

### अब नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों पर कड़े प्रतिबंध और जुर्माना लगायेगा पीसीबी

लाहौर ( ईएमएस )। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ( पीसीबी ) ने साल 2022-23 के अपने केंद्रीय अनुबंध में कई कठोर नियम बनाये हैं। पीसीबी ने साथ ही कहा कि यदि खिलाड़ी उनमें से किसी भी नियम का उल्लंघन करते हैं, तो उन पर प्रतिबंध के साथ ही भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। इस अनुबंध की कुछ धाराओं पर कप्तान बाबर आजम सहित वरिष्ठ क्रिकेटरों ने आपत्ति जताई थी पर कुछ बदलावों के साथ इन लोगों ने अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। वहीं निचली श्रेणी के खिलाड़ियों ने किसी भी भाग पर आपत्ति नहीं की,

नए कानूनों के तहत मैदान के बाहर के इवेंट्स में ड्रेस कोड का उल्लंघन करने पर खिलाड़ियों पर 25,000 पाकिस्तानी रुपये से 1,00,000 के बीच जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं, ट्रेनिंग, इंटरव्यू और प्रेजेंटेशन इवेंट्स में उल्लघंन करने पर 50,000 से 3,00,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा. जब व्यावसायिक गतिविधियों की बात आती है तो खिलाड़ियों ने विशिष्ट धाराओं पर आपत्ति जताई थी। नियमों में कहा गया कि यदि खिलाड़ी पीसीबी की अनुमति के बिना किसी प्रोडक्ट का प्रचार करते हैं तो उन पर 2,50,000 से 20,00,000 पाकिस्तानी रुपये के बीच जुर्माना लगाया जाएगा।

बोर्ड के प्रायोजकों या भागीदारों में से किसी के साथ झगड़ा करने पर जुर्माना 5,00,000 से बढ़ाकर 50,00,000 किया जाएगा और एक से पांच मैचों का प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। यदि कोई खिलाड़ी घरेलू या अंतरराष्ट्रीय मैचों में बोर्ड द्वारा स्वीकृत ड्रेसकोड का पालन नहीं करते हैं या प्रायोजक लोगो को छुपाते हैं तो उन्हें 1,50,000 और 10,00,000 का जुर्माना देना होगा या एक से पांच मैचों का प्रतिबंध लगाया जाएगा। एक अंतरराष्ट्रीय या घरेलू मैच में क्रिकेट किट या उपकरण के किसी भी हिस्से पर अनऑफिशियल लोगो के उपयोग के लिए 6,00,000 से 1,00,000 रुपये तक का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। यदि खिलाड़ी जुआ या मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक गतिविधियों में शामिल हैं, तो उस पर 2,00,000 से लेकर 20,00,000 तक का जुर्माना या एक से पांच मैचों का प्रतिबंध लगाया जाएगा। वहीं अंपायरों के निर्णयों को ना मानना या बुरा व्यवहार करना, मैच अधिकारियों, खिलाड़ियों या दर्शकों को धमकाना, हाथ उठाना, या ऐसा करने का प्रयास करने पर खिलाड़ी को 5,00,000 से 50,00,000 रुपये के बीच जुर्माना या तीन से आठ मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा।

### भारत-पाक मैच में अंतर पैदा करेंगे हार्दिक : आकिब

लाहौर ( ईएमएस )। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद ने कहा है कि भारतीय टीम के पास हार्दिक पंडया जैसा ऑलराउंडर है जिसका लाभ उसे एशिया कप मुकाबले में मिलेगा। अकीब ने कहा कि पंडया दोनों टीमों के बीच बड़ा अंतर पैदा कर सकते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'दोनों टीमों के बीच का अंतर उनकी बल्लेबाजी में है। भारतीय टीम के पास अभी भी अधिक अनुभवी बल्लेबाज हैं। अगर रोहित शर्मा लय में रहे तो वहीं टीम को जीत दिला देंगे। यही बात हमारी टीम के सलामी बल्लेबाज फखर जमां में है। अगर वह संयम से खेलता है, तो पाकिस्तान की ओर से मैच जीत सकता है। भारत और पाक के मध्य क्रम में बड़ा अंतर है। साथ ही उनके ऑलराउंडर भी अंतर पैदा करते हैं। पिछले साल भी हार्दिक दुबई में टी20 विश्व कप में शामिल थे पर तब वह बल्लेबाज के रूप में ही खेल रहे थे। तब भारतीय टीम छठे गेंदबाज को लेकर संघर्ष कर रही थी और वह टूर्नामेंट से पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई थी। इसके बाद हार्दिक टीम से बाहर थे।

# गुजरात में कांग्रेस के एक और विधायक के भाजपा जॉइन करने के संकेत

राजकोट (ईएमएस)राजकोट के धोराजी में आयोजित सर्व रोग निदान कैम्प में भाजपा सांसद और विधायक के साथ कांग्रेस के एक विधायक को देख चर्चा है कि वह जल्द ही भगवा धारण कर सकते हैंचर्चा तो यह है कि सौराष्ट्र से कांग्रेस के 6 विधायक हाथ का साथ छोड़ सकते हैंभाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करने वाले कांग्रेस विधायक ललित वसोया हैंहांलाकि उन्होंने सीधे कांग्रेस छोड़ने की बात नहीं कही है, परंतु पति-पत्नी का उल्लेख कर एक संकेत जरूर दे दिया हैंदरअसल राजकोट जिले के धोराजी में आयोजित सर्व रोग निदान कैम्प में भाजपा सांसद रमेश धड़ूक और विधायक जयेश रादडिया के साथ ही कांग्रेस विधायक ललित वसोया भी उपस्थित रहेंपत्रकारों के साथ बातचीत में रमेश वसोया ने भाजपा जॉइन करने के संकेत जरूर दिए, परंतु सीधे तौर पर कहने के बजाए उन्होंने पति-पत्नी के बीच तलाक का उदाहरण दिया। ललित वसोया ने कहा कि शादी के वक्त पति-पत्नी उम्रभर साथ रहने का वादा करते हैं, लेकिन किन्हीं वजह से दोनों के बीच तलाक भी हो जाता है। इसलिए आजीवन मैं कांग्रेस में रहूंगा ऐसा कहने के बजाए यह कहना बेहतर होगा कि 'फिलहाल मैं कांग्रेस में हूं यह बड़ी बात हैंगौरतलब है गुजरात में विधानसभा चुनाव का ऐलान भले ही नहीं हुआ, लेकिन उसे लेकर भाजपा, कांग्रेस और आप ने तैयारियां शुरू कर दी हैंआप ने उम्मीदवारों की पहली सूची भी जारी कर दी हैंभाजपा भी 150 सीटों के लक्ष्य के साथ मजबूती के साथ काम कर रही हैंसबसे बुरी हालत कांग्रेस की है, जिसके एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैंगुजरात कांग्रेस के कई विधायक और वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ भाजप में शामिल हो गए या आप जॉइन कर चुके हैंआगामी 17 अगस्त को कांग्रेस विधायक नरेश रावल और पूर्व सांसद राजु परमार भी भाजपा का भगवा धारण कर लेंगेंहाल ही में दोनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात भी कर चुके हैंआज ललित वसोया ने भी भाजपा जॉइन करने का संकेत दिया हैंऐसे में कांग्रेस के लिए आगामी विधानसभा चुनाव जीतने से ज्यादा पार्टी को एकजुट रखना मुश्किल हो रहा हैंअब तक गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता था, लेकिन आप के आने से आगामी विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होना तय हैं

## राज्य में कोरोना के 599 नए मामले, 737 मरीज हुए ठीक, रिकवरी रेट 98.81 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस)राज्य में कोरोना के नए मामलों के मुकाबले इस रोग से ठीक होने वालों की संख्या बढ़ रही हैंरविवार को राज्य में कोरोना के 599 नए मरीजों के मुकाबले 737 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गएंराज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.81 प्रतिशत हो गया हैंरविवार को अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1 मरीज की मौत हो गईंदूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज 74228 लोगों का वैक्सीनेशन किया गयास्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 173, मेहसाणा में 60, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 51, राजकोट कॉर्पोरेशन में 34, गांधीनगर में 30, सूरत कॉर्पोरेशन में 23, वडोदरा में 22, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 21, अमरेली, सूरत, वलसाड में 17-17, कच्छ, साबरकांठा में 14-14, पाटण में 11, पोरबंदर में 10, भरुच, राजकोट में 9-9, अरवल्ली, बनासकांठा में 8-8, आणंद, मोरबी, नवसारी में 6-6, देवभूमि द्वारका, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4-4, अहमदाबाद, दाहोद, गिर सोमनाथ, पंचमहल, तापी में 3-3, भावनगर कॉर्पोरेशन, मनगर, खेडा, सुरेन्द्रनगर में 2-2, भावनगर और छोटाउदेपुर में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 599 नए मरीज सामने आएंइस दौरान 737 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गएंइसी के साथ राज्य में कोरोना से स्वस्थ होनेवालों की संख्या 1250396 हो गई हैंवहीं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में एक मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10991 हो गयाफिलहाल राज्य में कोरोना के 4066 सक्रिय मरीजों में 4044 स्टेबल हैं और 22 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंरविवार को राज्य में 74228 लोगों के टीकाकरण के साथ ही राज्य में अब तक 11 करोड़ 99 लाख, 51 हजार 130 कोविड के डोज दिए जा चुके हैंजिसमें पहला, दूसरा और प्रीकॉशन डोज शामिल हैं

## आवारा पशु की वजह से एक महिला ने गंवाई जान, पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल

बनासकांठा (ईएमएस)राज्यभर में आवारा पशुओं को आतंक दिन ब दिन बढ़ता जा रहा हैंऐसे पशुओं की वजह से कई लोगों की मौत हो चुकी है तो कई बुरी तरह घायल हो चुके हैंबीते दिन मेहसाणा कडी में राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल गाय की चपेट में आने से घायल हो गए थेंअब बनासकांठा के पालनपुर से ऐसी एक घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उसके पति-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गएंजानकारी के मुताबिक एक किसान परिवार रात्रि के दौरान कार में अपनी खेत की ओर जा रहा थारास्ते में मेरवाडा के निकट कार के सामने अचानक एक सांढ आ गयाअचानक सामने आए सांढ से कार टकर गईंजिससे कार चला रहे महेश चौधरी ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार डिवाइडर कूदकर दूसरी दिशा में जाकर पलटी खा गईंइस हादसे में दिव्यम चौधरी के अलावा उसकी माता कंकुबेन चौधरी और महेश चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गएंघटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और घायलों को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से पालनपुर के अस्पताल पहुंचायाजिहां कंकुबेन चौधरी की उपचार के दौरान मौत हो गईंबनासकांठा जिले में एक सप्ताह के भीतर आवारा पशुओं की वजह से यह दूसरी मौत हैंकुछ दिन पहले आवारा पशु की वजह से एक युवक की मौत हो गई थीं

# 'अमृत काल' में बनाएंगे जनता के सपनों का गुजरात

- श्री भूपेंद्र पटेल, मुख्यमंत्री, गुजरात राज्य

भारत अपनी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह अवसर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिवीरों के संघर्षों को याद करने का है, जिन्होंने गुलामी की बेड़ियों में सैकड़ों वर्षों तक जकड़ी रही भारतमाता को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महान वीरों और गुमनाम बलिदानियों के योगदान को उजागर करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने का आह्वान किया। 12 मार्च, 2021 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से इसकी शुरुआत हुई।

गुजरात आज़ादी के इस 'अमृत महोत्सव' को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मना रहा है। देश के स्वाधीनता संग्राम में गुजरात के योगदान का एक सुनहरा इतिहास है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और सरदार पटेल के अलावा गुजरात के अनेक सपूतों ने आज़ादी की जंग में बहुमूल्य योगदान दिया था।

अहमदाबाद का साबरमती आश्रम उन दिनों स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बिंदु हुआ करता था। देश भर के नेता, विचारकों, समाजसेवकों और कार्यकर्ताओं का वहां जमावड़ा लगा रहता था। महात्मा गांधी के सान्निध्य में यहां देश को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त कराने की रणनीतियां और कार्यक्रम बनाए जाते थे। महात्मा गांधी के नेतृत्व में इसी साबरमती आश्रम से शुरू हुई दांडी यात्रा ने ब्रिटिश सल्तनत की नींव हिला दी थी।

लौह पुरुष वल्लभभाई पटेल ने बारडोली सत्याग्रह के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया। इस सफल आंदोलन के बाद उन्हें 'सरदार' की उपाधि से नवाजा गया। सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारत संघ में विलीनीकरण कर अखंड भारत के निर्माण का ऐतिहासिक कार्य किया था। श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतमाता के इस सपूत की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण के माध्यम से उन्हें यथोचित श्रद्धांजलि दी है।

इनके अलावा, श्यामजी कृष्ण वर्मा, मैडम भीखाजी कामा और सरदार सिंह राणा जैसे अनेक गुजरातियों ने देश की आज़ादी के लिए अपना योगदान दिया था।

गुजरात में स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज का अहम योगदान रहा था। हालांकि, इतिहास में उन लोगों और घटनाओं की उपेक्षा की गई। गोविंद गुरु के नेतृत्व में गुजरात के मानगढ़ में अंग्रेजों की विरुद्ध स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ते हुए लगभग 1500 आदिवासी शहीद हुए थे। साबरकांठा जिले के पाल दढवाव में भी अंग्रेजों ने 1200 से अधिक निर्दोष आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को गोलियों से छलनी कर दिया था। इसे गुजरात का 'जलियांवाला कांड' भी कहते हैं। श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री काल के दौरान आदिवासियों की शहादत को उजागर करने के लिए यहां शहीद स्मारक का निर्माण किया गया था।

1 मई, 1960 को जब गुजरात राज्य की स्थापना हुई, तब इस प्रदेश के सामने अनेक चुनौतियां थीं। मुंबई जैसे समृद्ध राज्य से अलग होकर अस्तित्व में आने के बाद गुजरात ने एक राज्य के रूप में अपनी यात्रा को मजबूत और अटल हौसले के साथ शुरू किया। उस दौर में जब कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हुआ करती थी, तब गुजरात पानी की भारी कमी और कम वर्षा वाला राज्य होने के कारण कृषि क्षेत्र में संकटों से जूझ रहा था। लेकिन स्वाभिमानी तथा जोश एवं जज्बे से भरे गुजरातियों ने अथक पुरुषार्थ कर गुजरात को कृषि सहित सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाया।

गुजरात की विकास गाथा का एक नया और स्वर्णिम अध्याय तब शुरू हुआ, जब श्री नरेन्द्र मोदी ने बतौर मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभाली। उन्होंने विनाशकारी भूकंप के सदमे से गुजरात को उबारकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया। उन्होंने प्रशासनिक शिथिलता के वातावरण को चुस्त-दुरुस्त बनाया और लोगों में भी उत्साह का संचार किया। नेता के रूप में अपनी नीति, रीति और कार्यों से श्री नरेन्द्र मोदी ने नेतृत्व की एक नई परिभाषा गढ़ी।

राज्य के विकास को लेकर उनकी स्पष्ट एवं प्रभावी नीतियों का ही नतीजा है कि गुजरात का 'विकास मॉडल' देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में चर्चित हो गया। गुजरात देश के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में जाना जाने लगा है।

गुजरात की विशेषकर गत दो दशकों की विकास यात्रा लोगों के लिए शोध का विषय बन गई है। कृषि क्षेत्र में गुजरात ने श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नई हरित क्रांति की अगुवाई की है। कृषि महोत्सव की शुरुआत कर उन्होंने अप्रैल और मई महीने की तपती दुपहरी में गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद किया और उन्हें नई तकनीक और उपकरणों की सौगात दी। नतीजा यह रहा कि वर्ष 2002 में 23.48 लाख मीट्रिक टन अनाज उत्पादन के मुकाबले आज 83.25 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन कर गुजरात कृषि क्रांति की नई इबारत लिख रहा है। इसी तरह, सरदार सरोवर बांध और 69,000 किलोमीटर लंबे कैनाल नेटवर्क के साथ ही लाखों चेकडैम के निर्माण से गुजरात के किसानों की सिंचाई सुविधा को सुदृढ़ बनाया है। पशु स्वास्थ्य मेलों का आयोजन कर पशुओं के उपचार और देखभाल का अभियान चलाया है। इसके परिणामस्वरूप गुजरात का दूध उत्पादन वर्ष 2002 के 60 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर आज 158 लाख मीट्रिक टन हो गया है।

शिक्षा क्षेत्र की बात करें तो गुजरात में कन्या शिक्षा और स्कूल ड्रॉपआउट की दर एक बड़ी चिंता का विषय थी। श्री मोदी ने इसके लिए 'कन्या शिक्षा महोत्सव' और 'शाला प्रवेशोत्सव' अभियान चलाया और आज इन दोनों ही मामलों में राज्य की स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया है। गुजरात ने आंकड़ों और तकनीक के जरिए पठन-पाठन के स्तर में सुधार लाने के लिए 'विद्या समीक्षा केंद्र' की स्थापना की है, जिसे देश और दुनिया में सराहा जा रहा है। गुजरात में विश्वविद्यालयों की संख्या 20 वर्ष पहले 21 हुआ करती थी, आज यह बढ़कर 102 हो गई है। इसी तरह, इंजीनियरिंग और मेडिकल की सीटों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

औद्योगिक राज्य के रूप में गुजरात अपनी छवि के अनुरूप देश में विकास का अगुवा बना है। श्री नरेन्द्र मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन आयोजित कर गुजरात में निवेश और उद्योगों को आकर्षित किया है। राज्य का औद्योगिक उत्पादन 20 वर्ष पहले के 1.27 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर आज 16.19 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। एमएसएमई उद्योगों की संख्या भी 2.74 लाख बढ़कर आज 8.66 लाख हो गई है। विदेशी पूंजी निवेश (इञ्ज) हासिल करने के मामले में गुजरात देश में अव्वल है। गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' आर्थिक गतिविधियों के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रही है।

गुजरात में स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के उपचार के लिए मा और मा अमृतम जैसी योजनाएं लागू हैं। डॉक्टरों और नर्सों की संख्या में 20 वर्ष पहले के मुकाबले तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। अस्पताल में प्रसव की दर

99.5 ङ्क फीसदी है। बाल मृत्यु दर में 55 फीसदी की कमी आई है।

गुजरात एक सुरक्षित और शांत राज्य है। शांति और सुरक्षा की नींव पर गुजरात विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। दंगे अब अतीत की बात बन चुके हैं। राज्य की पुलिस को बॉडी वॉर्न कैमरे, इंटरसेप्टर वैन और स्पीड गन से सुसज्जित किया गया है। सार्वजनिक सुरक्षा के लिए अहम 'साइबर आश्वस्त' और 'विश्वास प्रोजेक्ट' शुरू कर गुजरात ने देश को नई राह दिखाई है। गुजरात ने ही देश की पहली फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी की स्थापना की है।

गुजरात ने रोजगार और स्टार्टअप के मामले में शानदार प्रदर्शन किया है। गुजरात ने युवा शक्ति को प्रोत्साहन देने के लिए स्टार्टअप नीति घोषित की है, जिसके तहत उन्हें आकर्षक प्रोत्साहन दिया जाता है। गुजरात लगातार तीन वर्षों से स्टार्टअप रैंकिंग में देश में अव्वल रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र प्रगति, विकास और खुशहाली का प्रतीक है। गुजरात ने ऊर्जा क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। राज्य में 20 वर्ष पूर्व 8750 मेगावाट की तुलना में आज 40,138 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन 20 वर्ष पहले के 99 मेगावाट से बढ़कर आज 16,588 मेगावाट हो गया है। 3 लाख स्थलों पर सोलर रूफटॉप लगाकर 1171 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। राज्य में 40,000 किलोमीटर से भी लंबा गैस पाइप लाइन नेटवर्क है।

गुजरात में वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए विशेष योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि योजना का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। 'सेवा सेतु' कार्यक्रम के जरिए अनेक सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है। 'उज्ज्वला योजना' के अंतर्गत करीब 35 लाख गैस कनेक्शन प्रदान किए गए, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण के तहत क्रमशः 6.24 लाख और 3.21 लाख आवासों का निर्माण किया गया है। 43 लाख से अधिक घरों में व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा मुहैया कराई है।

'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर जल संरक्षण के जरिए राज्य की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गुजरात के हर जिले में 75 अमृत सरोवरों के निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने और लोगों में राष्ट्रीय भावना जगाने के मकसद से प्रधानमंत्री के 'हर घर तिरंगा' अभियान को गुजरात की जनता का शानदार समर्थन मिल रहा है। समूचा गुजरात देश भक्ति की भावना के साथ तिरंगामय बन गया है।

आज़ादी के इस 'अमृत काल' में गुजरात विकास के नए आयाम स्थापित करने को संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के हर तबके के कल्याण और खुशहाली के लिए प्रयासरत है। गुजरात की साढ़े छह करोड़ जनता के सपनों के गुजरात का निर्माण करने को हम कटिबद्ध हैं।

# अहमदाबाद के शख्स के खिलाफ मुंबई की युवती की बलात्कार की शिकायत

अहमदाबाद, १४ अगस्त।

३० वर्ष की मुंबई के जुहू की कपड़े की महिला व्यापारी ने एलिसब्रिज पुलिस स्टेशन में घाटलोडिया के दीपक शर्मा नाम के शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि राजेश शादीशुदा होने पर भी इसने मेरे साथ शादी की थी। पीड़ित महिला ने जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद यह शिकायत को मुंबई पुलिस ने अहमदाबाद के एलिसब्रिज पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की थी। महिला ने ऐसी भी शिकायत की है कि दीपक ने मोबाइल चार्जर से गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की थी। पुलिस ने यह मामले में हत्या का प्रयास और रेप की शिकायत दर्ज की है। शिकायत में बताया गया है कि, वर्ष २०१७ में जबकि यह कपड़े की खरीदी करने के लिए अहमदाबाद आई थी, तब वह दीपक शर्मा नाम के शख्स को मिली थी। उसने बताया कि इसके बाद उन्होंने पार्टनरशिप में व्यापार करना शुरू किया था। इसके बाद यह दोनों साथ में व्यापार करते होने से प्रेम में पड़ गये थे, दीपक ने शिकायतकर्ता महिला के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद दोनों लोग सीजी रोड पर स्थित गेस्ट हाउस में गये थे और दोनों ने बीयर पी थी, इसके बाद महिला को खबर मिली कि उसके साथ धोखा हुआ है, क्योंकि दीपक शादीशुदा होने की इसे जानकारी मिली थी। जबकि दीपक का पर्दाफाश हो गया तब गुस्सा हो गया और इसने कहा कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि नवंबर २०१८ में उसने भिलवाडा में जाकर दीपक के साथ हरणी मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद यह शिकायतकर्ता महिला को लेकर होटल में गया और इस पर बलात्कार किया था। इसके बाद इस पर उदयपुर और अहमदाबाद में भी बलात्कार किया था और कहा था कि अब तो हमने शादी कर ली है। बाद में जबकि महिला को ख्याल आया कि इसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो इसने दीपक के साथ बात करना बंद कर दिया था।

### गत दिन नीतिन पटेल को किया था घायल

# मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के काफिले में घुस गये दो सांड

## कोन्वेय में सांड टकराये नहीं होने से दुर्घटना टल गई

पोरबंदर, १४ अगस्त।

गुजरात के रास्ते पर आवारा गाय-सांड की वजह से अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। गत दिन कडी में पूर्व उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल को आवारा पशु ने चपेट में लेने पर उनको अस्पताल में उपचार लेना पड़ा। तब उसी दिन आवारा पशु मुख्यमंत्री के कोन्वेय में भी घुस गया था। गत दिन पोरबंदर में हर घर तिरंगा यात्रा के तहत पोरबंदर पहुंचे मुख्यमंत्री के कोन्वोय के बीच दो सांड घुस गये। हालांकि कोन्वेय में यह सांड टकराये नहीं होने से दुर्घटना टल गई। तिरंगा यात्रा पूरा करके कोन्वेय वापस आ रहे थे तब युगान्डा रोड पर यह घटना हुई थी। उल्लेखनीय है कि, राज्य के अन्य जिलों के जैसे पोरबंदर जिले में भी बड़ी संख्या में पशु रास्ते घूमते हुए देखने को मिल रहे हैं। गत दिन मेहसाणा के कडी में पूर्व उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल सहित कार्यकर्ता और कई सीनियर तिरंगा के साथ यात्रा में शामिल हुए, तब अचानक भगाकर आई एक गाय भीड़ में घुस गई, गाय ने नीतिन पटेल सहित कई लोगों को चपेट में लिया।

गाय की टक्कर लगने पर नीतिन पटेल रास्ते पर गिर गये। उनको घुटने में चोट लग गई। अफरातफरी मच गई। टन के हिस्से में चोट लगने पर नीतिन पटेल को तुरंत कडी भाग्योदय अस्पताल में उपचार के लिए गये। अस्पताल में पैर का एक्स-रे कराया गया इसमें घुटना क्रेक हो गया है। सिटी स्केन कराने पर डॉक्टर ने २० दिन का आराम करने के लिए सलाह दी है। राज्य में आवारा पशु का आतंक लंबे समय से जारी है। गुजरात में सभी जगह पर पशु का आतंक देखने को मिलता है। ऐसे तो कई मामले है, लेकिन जबकि कोई नेता के साथ ऐसा होता है तब यह घटना चर्चा में आती है। लेकिन सवाल है कि आखिर में यह सांड से या आवारा पशु के आतंक से आजादी कब मिलेगी?

# कांग्रेस ने कहा- विभाजन की त्रासदी का राजनीतिक दुरुपयोग कर रही है भाजपा

नई दिल्ली( ईएमएस )। कांग्रेस ने रविवार को भाजपा पर विभाजन की त्रासदी का राजनीतिक दुरुपयोग करने पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि राजनीतिक लक्ष्यों के लिए विभाजन की त्रासदी का दुरुपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं किया जा सकता। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की वास्तविक मंशा 14 अगस्त को विभाजन की भयावह स्मृति के रूप में मनाना है। उनके बलिदानों को भुलाया या अपमानित नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने के पीछे प्रधानमंत्री की वास्तविक मंशा सबसे दर्दनाक ऐतिहासिक घटनाओं को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना है। लाखों लोग विस्थापित हुए और जानें गईं। उनके बलिदानों को भुलाया या अपमानित नहीं किया जाना चाहिए।

जयराम ने पीएम मोदी के उस ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, आज, विभाजन भयावह स्मृति दिवस पर, मैं उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाई, और हमारे इतिहास के उस दुखद दौर में पीड़ित सभी लोगों के धैर्य की सराहना करता हूं।

जयराम ने आगे कहा, क्या प्रधानमंत्री आज जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद करेंगे, जिन्होंने शरत चंद्र बोस की इच्छा के खिलाफ बंगाल के विभाजन का समर्थन किया था, और स्वतंत्र भारत के पहले कैबिनेट में शामिल हुए, जब विभाजन के दर्दनाक परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे थे? कांग्रेस ने आरोप लगाया, देश को बांटने के लिए आधुनिक दौर के सावरकर और जिन्ना का प्रयास आज भी जारी है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस गांधी, नेहरू, पटेल और अन्य नेताओं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को एकजुट करने का प्रयास जारी रखेगी। नफरत की राजनीति हारेगी।

## राजकोट रेल मंडल पर ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' पर 5 रेलवे स्टेशनों पर प्रदर्शनी का आयोजन

राजकोट (ईएमएस)आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 14 अगस्त, 2022 को संपूर्ण भारतवर्ष में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' के रूप में मनाया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मनीष मेहता ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने जाने की घोषणा की गयी थी। इस दौरान पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल के कुल 5 स्टेशनों पर विभाजन विभीषिका स्मृति फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के राजकोट, खम्भालिया, जामनगर, मोरबी और सुरेंद्रनगर स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई है। राजकोट स्टेशन पर सेवानिवृत रेल कर्मचारी सुखलाल पारगी ,वरिष्ठ नागरिक (उम्र 83 वर्ष) का डीआरएम राजकोट अनिल कुमार जैन द्वारा सम्मान किया गया और उनके करकमलों द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इसी तरह अन्य स्टेशनों पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों द्वारा किया गया। प्रदर्शनी सभी दर्शकों के लिए निशुल्क अवलोकनार्थ खुली रही।

## पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' पर 08 स्टेशनों पर प्रदर्शनी का आयोजन

देश भर में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 14 अगस्त 2022 को संपूर्ण भारतवर्ष में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर साबरमती सहित कुल 08 स्टेशनों पर विभाजन विभीषिका स्मृति फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने जाने की घोषणा की थी। यह दिवस देश के उन लोगों के संघर्ष व बलिदान की याद में मनाया जा रहा है। मंडल के साबरमती, अहमदाबाद, मणिनगर, कलोल, महेसाणा, पालनपुर, राधनपुर तथा गांधीधाम स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई है। फोटो प्रदर्शनी उन लाखों नागरिकों की हृदय विदारक पीड़ा एवं मन में रही कसक को उजागर करने के लिए इतिहास के अमिट तथ्यों को प्रदर्शित करता है जिन्होंने देश विभाजन के समय इसे सहन किया। यह प्रदर्शनी पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपना जीवन गवाना पड़ा।

साबरमती में आयोजित प्रदर्शनी में स्वतंत्रता सेनानी श्री रणछोड़भाई शाह सहित 6 स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन तथा वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी श्री हर्षद वानिया एवं अन्य रेल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थिति रहे।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव
हर घर तिरंगा
13-15 अगस्त 2022

# ७६ वां स्वतंत्रता पर्व

## राज्य महोत्सव, अरवल्ली

**माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल** के
करकमलों से ध्वज वंदन समारोह

# प्रगति और समृद्धि
## यही गुजरात का विकास मंत्र

### लोककल्याण के कार्यों में अग्रसर गुजरात

ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस में अग्रसर गुजरात

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गुजरात में १०.२५ लाख से अधिक लोगोंको आवास

गुजरात में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (**PMJAY**) अंतर्गत १.४१ करोड़ से अधिक लोगों को मिला स्वास्थ्य कवच

गुजरात में ७१ लाख से अधिक नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट (**NFSA**) कार्डधारकों को मिला अनाज

गुजरात का डांग ज़िला बना प्रथम संपूर्ण प्राकृतिक कृषि आधारित ज़िला

गुजरात में ९६ प्रतिशत से अधिक लोगों को मिला नल से जल

मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना द्वारा गर्भवती महिला तथा नवजात शिशु की १००० दिनों तक देखभाल

५७ लाख से अधिक किसानों को मिली किसान सम्मान निधि

युवाओं के इनोवेशन को प्रोत्साहन देने के लिए स्टूडेंट स्टार्टअप एण्ड इनोवेशन पॉलिसी (**SSIP** २.०) की घोषणा की

गुजरात सोलर रूफ़टॉप में देश में प्रथम क्रम पर : ३ लाख से अधिक घरों में लगा सोलर रूफ़टॉप : उपभोक्ताओं को मिली २००० करोड़ रुपए की सब्सिडी

**eFIR** सेवा का शुभारंभ : टेक्नोलॉजी द्वारा लोगों की समस्याओं का त्वरित निवारण

विद्या समीक्षा केन्द्रों द्वारा विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की डेली रीयल टाइम ऑनलाइन हाज़िरी की निरंतर मॉनिटरिंग

वनबंधुओं के कुल लगभग ९९ हज़ार दावे मंजूर होने से १३.९५ लाख एकड़ भूमि के मालिक बने गुजरात के वनवासी

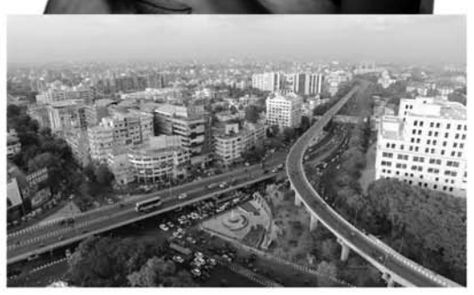

**समरस गुजरात,**
**समृद्ध गुजरात**

## स्वतंत्रता पर्व की सभी को शुभकामनाएँ...

दिनांकः १५वी अगस्त-२०२२, सुबहः ९.०० बजे
स्थलः सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे, मदापुरा कंपा रोड, मोडासा, जि. अरवल्ली